पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

श्री नाईक 'राष्ट्रीय श्रेष्ठता अवार्ड' से सम्मानित

लखनऊ: 14 दिसम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक को कल मुम्बई में 17वें साउथ इण्डियन एजूकेशन सोसाइटी द्वारा आयोजित एक समारोह में कांची कामकोटिपीठ के शंकराचार्य श्री जयेन्द्र सरस्वती ने शंकराचार्य स्व0 श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती की स्मृति में जननेतृत्व के लिये दिये जाने वाले 'राष्ट्रीय श्रेष्ठता अवार्ड' से सम्मानित किया।

कांची कामकोटिपीठ के शंकराचार्य श्री जयेन्द्र सरस्वती ने दीघार्यु होने का आशीर्वाद देते हुए कहा कि श्री नाईक सदैव समाज सेवा के लिये तत्पर रहे हैं और उनसे जनता को बहुत उम्मीद है जिसे वे पूरा करेंगे।

राज्यपाल, श्री राम नाईक ने सम्मान को स्वीकार करते हुए कहा कि शंकराचार्य से मिले सम्मान से वे गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। जनसेवा के व्रत को निभाते समय इस सम्मान से मिली ऊर्जा काफी मदद करेगी।

उल्लेखनीय है कि श्री नाईक ने हमेशा आम जनता के हित को दृष्टिगत रखते हुए कई नई योजनाओं की नींव डाली जो आगे चलकर पथ-प्रदर्शक साबित हुई। श्री नाईक 80 वर्ष की आयु में भी राष्ट्र निर्माण के कार्यों मंे अपना सहयोग दे रहे हैं। विधायक, सांसद एवं मंत्री रहते हुए उन्होंने आम जनता के हित को ध्यान में रखते हुए सदैव कार्य किया है।

ज्ञातव्य है कि उक्त संस्था द्वारा अब तक विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिये विश्व के 56 विशिष्ट लोगों को यह अवार्ड दिया गया है। पूर्व राष्ट्रपति, स्व0 डा0 शंकर दयाल शर्मा, पूर्व राष्ट्रपति, डा0 ए0पी0जे0 अबुल कलाम, पूर्व उपराष्ट्रपति, स्व0 श्री भैरो सिंह शेखावत, पूर्व प्रधानमंत्री, स्व0 पी0वी0 नरसिम्हा राव, श्री अटल बिहारी बाजपेई, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष, श्री सोमनाथ चटर्जी, पूर्व राज्यपाल, स्व0 पी0सी0 एलेक्जेंडर, स्व0 डा0 वी0 कुरियन, डा0 आर0 चिदम्बरम, श्री सुन्दर लाल बहुगुणा, डा0 अनिल काकोदकर, पद्मभूषण तीजन बाई व नीदरलैण्ड की राजकुमारी सुश्री आईरोन व अन्य लोगों को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिये यह सम्मान प्रदान किया गया है।

वर्ष 2014 का सम्मान उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक जननेतृत्व के अलावा विख्यात संगीतज्ञ, डा0 इलैयाराजा को सामुदायिक नेतृत्व के लिये, प्रो0 कृष्णास्वामी विजयराघवन को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिये तथा श्री सी0 कोटेश्वर राव को ओजस्वी प्रवचन के लिये दिया गया है।

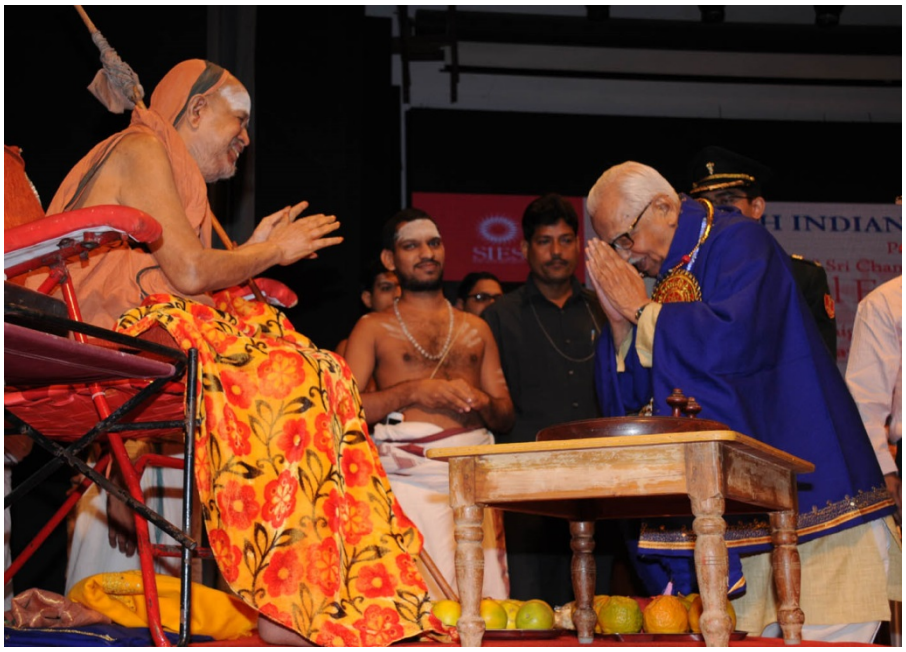

THE SOU

SIES